व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

वर्मीकम्पोस्टिंग

के लिए

स्वयं सहायता समूह – साई राम

एसएचजी/सीआईजी नाम	साई राम
वीएफडीएस नाम	गायत्री माता(ठंडोल)
श्रेणी	डरोह
विभाजन	पालमपुर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जायका सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	पेज
1.	परिचय	3-4
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	6
5.	बाजार की संभावना	7
6.	कार्यकारी सारांश	8
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	9
8.	उत्पादन प्रक्रिया का विवरण	9-10
9.	स्वोट अनालिसिस	10-12
10.	प्रबंधन का विवरण सदस्यों	12
11	अर्थशास्त्र का विवरण	12-14
12.	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	15
13.	निधि के स्रोत	16
14.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन उन्नयन	17
15.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	17
16.	बैंक ऋण चुकौती	18
17.	निगरानी विधि	18
18.	टिप्पणी	18
19.	समूह सदस्य की तस्वीरें	19
20.	समूह फोटो	20
21.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	21
22	VFDS और DMU द्वारा व्यावसायिक स्वीकृति	22

1 परिचय-

अर्ध-व्यावसायिक इकाई में साधारण ईंटों से बने वर्मीकम्पोस्टिंग टैंक। वर्मीकम्पोस्टिंग के मॉडल में एक दीवार से घिरे तीन कक्ष होते हैं और एक कक्ष का आकार (1.20 मीटर चौड़ाई, 3.60 मीटर लंबाई और 0.75 मीटर ऊँचाई) एक गड्ढे में तीन कक्षों के साथ होता है। दीवारें अलग-अलग सामग्रियों जैसे सामान्य ईंटों, खोखली ईंटों से बनी होती हैं। इस मॉडल में छोटे-छोटे छेदों वाली विभाजन दीवारें होती हैं, ताकि केंचुओं को एक कक्ष से दूसरे कक्ष में आसानी से ले जाया जा सके। प्रत्येक कक्ष के एक कोने में हल्की ढलान के साथ एक आउटलेट प्रदान करने से अतिरिक्त पानी के संग्रह की सुविधा मिलती है, जिसे बाद में पुन: उपयोग किया जाता है या फसल पर केंचुआ निक्षालन के रूप में उपयोग किया जाता है। एक टैंक के तीन घटक एक के बाद एक पौधों के अवशेषों से भरे जाते हैं। पहले कक्ष को परत दर परत गाय के गोबर से भरा जाता है और फिर केंचुओं को छोड़ा जाता है। फिर दूसरे कक्ष को परत दर परत भरा जाता है। एक बार जब पहले कक्ष की सामग्री संसाधित हो जाती है तो केंचुए कक्ष 2 में चले जाते हैं, जो पहले से ही भरा हुआ है और केंचुओं के लिए तैयार है। इससे पहले कक्ष से सड़ी हुई सामग्री को इकट्ठा करना आसान हो जाता है और कटाई और केंचुओं को डालने के लिए श्रम की भी बचत होती है। इस तकनीक से श्रम लागत कम होती है और पानी के साथ-साथ समय की भी बचत होती है।

विभिन्न आयु वर्ग की 8 महिलाओं का एक समूह जेआईसीए परियोजना के अंतर्गत एक स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का निर्णय लिया, जो उन्हें इस आईजीए को सामूहिक रूप से लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस IGA (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद और इसके अलावा वन विभाग के रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर और SHG के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, ताकि नर्सरी में उपयोग के लिए SHG द्वारा उत्पादित अच्छी गुणवत्ता वाले वेमीकम्पोस्ट की खरीद की जा सके। साई राम SHG का गठन वर्ष 2023 में

किया गया था और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (JICA असिस्टेड) के सुधार के लिए परियोजना के तहत भी शामिल किया गया है, जो VFDS गायत्री माता (थंडोल) के अंतर्गत आता है। इस SHG में 8 महिलाएँ हैं। इन महिलाओं के साथ इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता से वे इस कौशल को विकसित कर सकेंगे और वे बड़े पैमाने पर वर्मी-कम्पोस्ट बेच सकेंगे और आत्मनिर्भर बनेंगे तथा आय अर्जित करेंगे। इस एसएचजी की विस्तृत व्यवसाय योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण:

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	साई राम एसएचजी)
2.	वीएफडीएस	गायत्री माता (ठंडोल)
3.	श्रेणी	दारोह
4.	विभाजन	पालमपुर
5.	गाँव	थंडोल
6.	अवरोध पैदा करना	भवारना
7.	ज़िला	कांगड़ा
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	8
9.	गठन की तिथि	22-अगस्त, 2023
10.	बैंक खाता सं.	
11।	बैंक विवरण	एसबीआई (खैरा) और आईएफएससी: SBIN0002388
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	50 रुपये/माह
13.	कुल बचत	400
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3.लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम/एफ	पिता/पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	किरना	एफ	संजय कुमार	सामान्य	अध्यक्ष	98050-54346
2	चंचला देवी	एफ	संजयकुमार मेहता	सामान्य	सचिव	88940-60576
3	अनुराधा	एफ	गुरदीप सिंह	अनुसूचित जाति	सदस्य	88944-39494
4	रजनी	एफ	परवीन कुमार	सामान्य	सदस्य	88946-63925
5	प्रतिमा	एफ	राजेश कुमार	सामान्य	सदस्य	86289-95471
6	सुदेश कुमारी	एफ	नरेश कुमार	सामान्य	सदस्य	98166-21635
7	फूला देवी	एफ	प्रकाश मेहता	सामान्य	सदस्य	98056-84884
8	रेशान देवी	एफ	जगदीश प्रसाद	सामान्य	सदस्य	8894685004

4.गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	46 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	200 मी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	पहाड़ा (3 किमी), खैरा (3 किमी)
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	भवारना-8 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	पालमपुर 18 किमी
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा /विपणित किया जाएगा	दुखी और शिव नगर नर्सरी

5.बाजार की संभावना-

कृषि में रासायनिक खादों के पूरक और प्रतिस्थापन के रूप में वर्मी-कम्पोस्ट एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में उभर रहा है। वर्मी-कम्पोस्ट, जिसे 'किसानों का मित्र' भी कहा जाता है, का उपयोग सामान्य फसलों और बागानी फसलों के लिए किया जाता है। यह टिकाऊ कृषि और बंजर भूमि विकास के लिए एक मूल्यवान इनपुट है। यह वृद्धि को बढ़ावा देता है और पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक हार्मोन प्रदान करने में सहायक है। किसानों के बीच वर्मी-कम्पोस्ट की बहुत मांग है क्योंकि इसके उपयोग से कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ती है और इसकी कीमत भी सस्ती होती है। इसका उपयोग गमलों में खेती और घरेलू बगीचों में भी व्यापक रूप से किया जाता है। इसके अलावा, कृषि, वन और बागवानी सहित कई सरकारी विभाग इसे थोक में खरीदते हैं। सरकारी एजेंसियां और गैर सरकारी संगठन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान और फिल्म शो आयोजित करके वर्मी-कम्पोस्ट का उपयोग करके जैविक कृषि को लोकप्रिय बना रहे हैं। अच्छी गुणवत्ता वाले वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन करने का कौशल सीखने के बाद, गायत्री एसएचजी वन विभाग की नर्सरियों और निजी नर्सरियों को लक्षित करेगा। रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद का उपयोग करने और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ बाजार की बहुत संभावना है।

1	संभावन बाज़ार स्थान/स्थान	दुहकीऔर शिव नगर नर्सरी और खुले में भी बाज़ार।
2	वर्मीकम्पोस्ट माँग	साल भर।
3	प्रक्रिया का पहचान काबाज़ार	समूह सदस्यों इच्छा संपर्क आस-पास ग्रामीण/परिवार/संस्थाएं/वन विभाग.
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह सदस्यों इच्छा सीधे लेना आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/सरकारी विभाग से।

6.कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा वर्मीकंपोस्टिंग (आय सृजन गतिविधि) का चयन किया गया है। इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा व्यक्तिगत गड्ढे बनाकर IGA का संचालन किया जाएगा। सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है क्योंकि वे व्यक्तिगत रूप से काम कर रहे हैं ताकि प्रत्येक IGA को मजबूत करने और अतिरिक्त धन प्राप्त करने में योगदान दे।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	वर्मी कम्पोस्ट
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	SHG/CIG/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

- **वर्मीकम्पोस्टिंग सामग्री:** पशुओं का मलमूत्र, रसोई का कचरा, खेत के अवशेष और जंगल के कूड़े जैसे अपघट्य जैविक कचरे का आमतौर पर खाद बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आम तौर पर, पशुओं का गोबर (ज्यादातर गाय का गोबर) और सूखे कटे हुए फसल अवशेष मुख्य कच्चे माल होते हैं।
  मिश्रण फलीदार गैर फलीदा फसल अवशेष समृद्ध करते है गुणवत्ता केंचुआ खाद। लाल केंचुआ (ईसेनिया फेटिडा) केंचुओं की पसंदीदा प्रजाति है क्योंकि इसकी उच्च गुणन दर है और इस प्रकार यह 45-50 दिनों के भीतर कार्बनिक पदार्थों को केंचुआ खाद में बदल देता है। चूंकि यह सतह पर उगने वाला होता है इसलिए यह ऊपर से कार्बनिक पदार्थों को केंचुआ खाद में बदल देता है।
- **वर्मीकम्पोस्ट तैयार करने की प्रक्रिया:** वर्मीकंपोस्टिंग या तो बिस्तर या गड्ढे विधि द्वारा किया जाता है। बिस्तर विधि में खाद बनाने का काम पक्के/कच्चे फर्श पर जैविक मिश्रण का बिस्तर बनाकर किया जाता है जबकि गड्ढे विधि में यह सीमेंट वाले गड्ढों में किया जाता है।
  - वर्मीकंपोस्टिंग इकाई ठंडी, नम और छायादार जगह पर होनी चाहिए
  - गाय के गोबर और कटी हुई सूखी पत्तियों को 3:1 के अनुपात में मिलाकर 15-20 दिनों तक आंशिक विघटन के लिए रखा जाता है।
  - क्यारी के तल पर कटी हुई सूखी पत्तियों/घास की 15-20 सेमी की परत बिछाई जानी चाहिए।
  - आंशिक रूप से विघटित सामग्री के 6x2x2 फीट आकार के बिस्तर बनाए जाने चाहिए।
  - प्रत्येक बेड में 1.5-2.0 क्विंटल कच्चा माल होना चाहिए तथा कच्चे माल की उपलब्धता और आवश्यकता के अनुसार बेडों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
  - लाल केंचुए (1500-2000) को बिस्तर की ऊपरी परत पर छोड़ा जाना चाहिए। • कीड़ों के निकलने के तुरंत बाद पानी का छिड़काव करना चाहिए
  - क्यारियों को प्रतिदिन पानी छिड़ककर तथा बोरे/पॉलीथीन से ढककर नम रखा जाना चाहिए।
  - वायु संचार बनाए रखने और उचित अपघटन के लिए बिस्तर को 30 दिनों के बाद एक बार पलट देना चाहिए।
  - खाद 45-50 दिनों में तैयार हो जाती है। तैयार उत्पाद कच्चे माल का 3/4 होता है।

- **कटाई**:जब कच्चा माल पूरी तरह से सड़ जाता है तो वह काला और दानेदार दिखाई देता है। खाद तैयार होने पर पानी देना बंद कर देना चाहिए। खाद को आंशिक रूप से सड़ी हुई गाय के गोबर के ढेर पर रखना चाहिए ताकि केंचुए खाद से गोबर में चले जाएं। दो दिन बाद खाद को अलग करके छानकर इस्तेमाल किया जा सकता है।

1	समय लिया	यह माना जाता है कि पहले वर्ष में उत्पादन के लगभग 2-3 चक्र होंगे और अगले वर्ष 5-6 चक्र होंगे। आगामी वर्षों में 100 से अधिक चक्र होंगे, जिनमें से प्रत्येक चक्र की अवधि लगभग 65-70 दिन होगी।
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन	8 गड्ढों से प्रति चक्र 80 क्विंटल (प्रत्येक गड्ढे से 10 क्विंटल)
6	प्रति वर्ष अपेक्षित उत्पादन	240 क्विंटल प्रति वर्ष।

SWOT विश्लेषण-

❖ ताकत-

- उनके खेतों पर कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
- विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- उत्पाद का स्वयं-जीवन लंबा है।
- भारतीय किसानों के सामने बांझपन और मृदा अपरदन मुख्य समस्याएं हैं, वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से मृदा संरचना, बनावट, वायु संचार, जल धारण क्षमता में सुधार होता है तथा मृदा अपरदन को रोका जा सकता है।
- यह आसानी से अपनाई जाने वाली कम लागत वाली प्रौद्योगिकी है।
- रासायनिक उर्वरकों की तुलना में सस्ती कीमत।
- इस खाद का उपयोग करके तैयार की गई फसलों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है। इस फसल की बिक्री कीमत भी अच्छी मिलती है।

- मीडिया राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्मी-कम्पोस्ट के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा कर रहा है

❖ कमजोरी

- ✧ तकनीकी जानकारी का अभाव।
- ✧ विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- ✧ प्रारंभिक स्तर पर इसके प्रयोग से उत्पादन लागत बढ़ जाती है।
- ✧ लोगों में जागरूकता कम है।
- ✧ उत्पादन के प्राकृतिक तरीके के कारण, हम उत्पादन समय को कम नहीं कर सकते।

❖ अवसर

- ✧ जैविक और प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की मांग बढ़ रही है।
- ✧ एचपी वन के साथ विपणन गठजोड़ की संभावना।
- ✧ घरेलू रसोई से बचे हुए कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग।
- ✧ लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक चिंतित हैं इसलिए वे जैविक भोजन खाना चाहते हैं।
- ✧ देश के शहरों में सैकड़ों टन बायोडिग्रेडेबल जैविक कचरा फेंका जा रहा है, जिससे निपटान की समस्या पैदा हो रही है। इस कचरे को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल करके मूल्यवान खाद में बदला जा सकता
- ✧ इस इकाई को शुरू करने के लिए किसानों को सरकार द्वारा वैध समर्थन।
- ✧ बाजार में प्रतिस्पर्धियों की अनुपस्थिति उत्पादकों के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है।
- ✧ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक दायरा।

❖ खतरे और जोखिम

- ✧ प्रतिस्पर्धी बाजार
- ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर।
- ✧ अत्यधिक मौसम की स्थिति के कारण उत्पादन चक्र टूटने की संभावना।
- ✧ कुछ छोटे खिलाड़ियों ने इसकी प्रारंभिक अवस्था में ही इसकी छवि को बिगाड़ दिया है।

- ✧ 90% किसान रासायनिक खाद का उपयोग कर रहे हैं। किसान अपनी खेती को जैविक बनाने के लिए पहल नहीं करते।

10.सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

- **उत्पादन** -कच्चे माल की खरीद सहित इसका ध्यान व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा रखा जाएगा
- **गुणवत्ता आश्वासन**– सामूहिक रूप से
- **सफाई और पैकेजिंग**– सामूहिक रूप से
- **विपणन**– सामूहिक रूप से
- **इकाई की निगरानी**– सामूहिक रूप से

11.अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र.सं.	**आइटम का विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**मात्रा**
	भूमि और भवन			
1	वर्मीकम्पोस्ट गड्ढे की लागत अनुमान के अनुसार। वर्मीकम्पोस्ट बेड (3.60 मी*1.20 मी*8 नग = 35 मी2 + 5 मी 2 मार्ग/उपयोगिता = 40 मी2)	8	22400	179200
	उप योग			**179200**
	उपकरण और मशीनरी			
1	फावड़े, कुदाल, बाल्टी, बांस की टोकरियाँ, कुदाल,	8	1200	9600
4	3 तार जाल छलनी के साथ हाथ संचालित छलनी- 0.6 मीटर x 0.9 मीटर आकार.	8	1000	8000
5	डिजिटल वजन मशीन	1	4000	4000
7	बैग सीलिंग मशीन	1	6000	6000
8	कल्चर ट्रे (प्लास्टिक) (35 सेमी x 45 सेमी) - 1 नग	1	800	800
	उप योग			**28400**
	पानी का प्रावधान - पानी का डिब्बा	8	500	**4000**

	केंचुए (कुल कीमत 1 किलोग्राम प्रति घनमीटर तथा 150 रुपये प्रति किलोग्राम) उपयोगित बिस्तर मात्रा = 40m3)	40	150	6000
	कुल पूंजी लागत			217600

बी. आवर्ती लागत				
क्र.सं.	आइटम का विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	मात्रा
1	कृषि अपशिष्ट (लागत, संग्रहण एवं परिवहन) @ 320 किग्रा प्रति एम3 एवं रु.200/एमटी 3.6*1.2*0.75*8*4*320*200/1000)	66.35	200	13270
2	गाय का गोबर (लागत, संग्रहण एवं परिवहन) @ 80 किग्रा/एम3 एवं रु.250/एमटी (3.6*1.2*0.75*8*4*80*250/1000)	20.73	250	5182.5
3	कृषि अपशिष्ट, गोबर और कीड़ों से वर्मीबिड बनाने, पानी देने, हिलाने, कटाई करने, छानने, पैकिंग आदि में दैनिक आधार पर मजदूरी, बैग की लागत सहित (250 बैग [@ रु.200/मीट्रिक टन)	4	4000	4000
4	मरम्मत और रखरखाव	8	500	4000
5	बैग और पैकेजिंग की लागत	1078	25	26950
	कुल आवर्ती लागत			53402

नोट – समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे, इसलिए श्रम लागत इसमें शामिल नहीं की गई है तथा सदस्य आपस में कार्यसूची का प्रबंध करेंगे।

शुद्ध आवर्ती लागत = कुल आवर्ती लागत - श्रमिक मजदूरी
= 53402-4000
= 49402.00

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	**विवरण**	**मात्रा**
1	कुल आवर्ती लागत	53402
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	21760
कुल = 75162.00-		

D. विक्रय मूल्य की गणना			
क्र.सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	बनाने की किमत	1	800-1000

12. लागत लाभ विश्लेषण (चक्र)

लागत लाभ विश्लेषण (चक्र)		
क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	21760
2	शुद्ध आवर्ती लागत	49402
3	कुल बैग (50 किलोग्राम) प्रति वर्ष	1078
4	सभी खर्चों को घटाने के बाद 1 बैग का विक्रय मूल्य।	लगभग 450 रु.
5	आय पीढ़ी	485100
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - शुद्ध आवर्ती लागत)	435698
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

13. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र.सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूंजी लागत	217600	163200	54400
2	कुल आवर्ती लागत	53402	0	53402
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन उन्नयन.	50,000	50,000	0
कुल		321002	213200	107802

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- चूंकि समूह महिलाओं का है और वे गरीब हैं, इसलिए 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

ii) आवर्ती लागत- स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

14. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य सामान्य श्रेणी के अलावा अन्य श्रेणी के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य श्रेणी के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूह को मूलधन की किश्तें स्वयं जमा करानी होंगी। नियमित आधार पर राशि।	खरीद मशीनों /उपकरणों की संख्या इच्छा संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा सभी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद।
स्वयं सहायता समूह योगदान	✧ पूंजीगत लागत का 50% या 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों में क्रमश: ✧ सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं तथा परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

15. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

16.ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति बैग)-उत्पादन लागत (प्रति बैग))

=217600/ (450-250)

=1088

इस प्रक्रिया में 1088 बैगों के उत्पादन के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

17.बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

18.निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ❖ एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की भी समीक्षा करनी चाहिए और यदि आवश्यक हो तो प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

19. टिप्पणियाँ

सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं तथा परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा।

20. समूह सदस्य तस्वीरें:

किरण (अध्यक्ष)

चंचला(सचिव)

अनुराधा

सुदेश कुमारी

फूला देवी

प्रतिमा

रजनी

रेशा देवी

21. समूह तस्वीरें:

22. संकल्प-सह समूह सहमति प्रपत्र

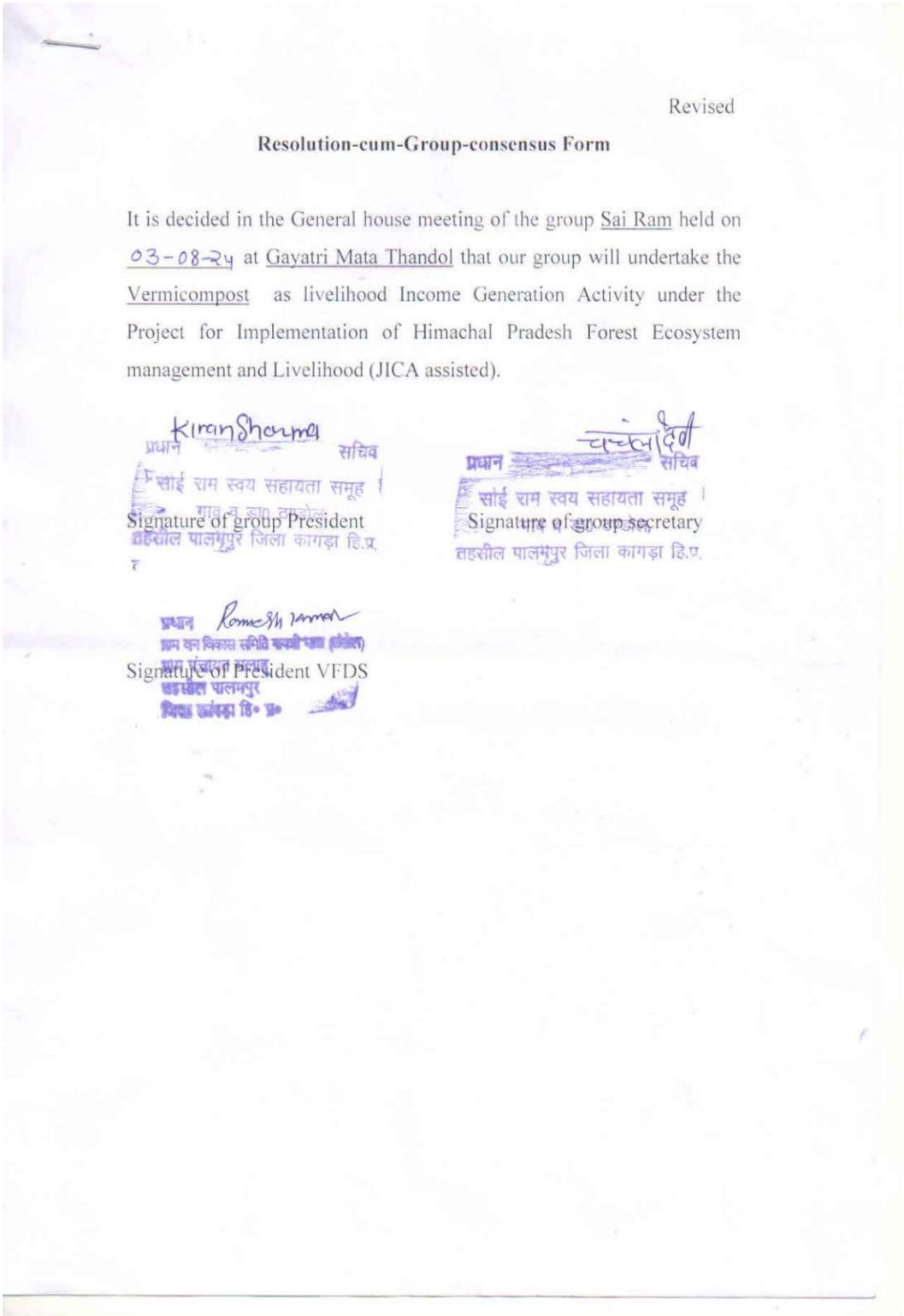

Revised

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Sai Ram held on 03-08-24 at Gayatri Mata Thandol that our group will undertake the Vermicompost as livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Kiran Sharma
प्रधान सचिव
साई राम स्वय सहायता समूह
तहसील पालमपुर जिला कागड़ा हि.प्र.

Signature of group President

चन्चल देवी
प्रधान सचिव
साई राम स्वय सहायता समूह
तहसील पालमपुर जिला कागड़ा हि.प्र.

Signature of group secretary

Signature of President VFDS

23. VFDS और DMU द्वारा व्यावसायिक स्वीकृति

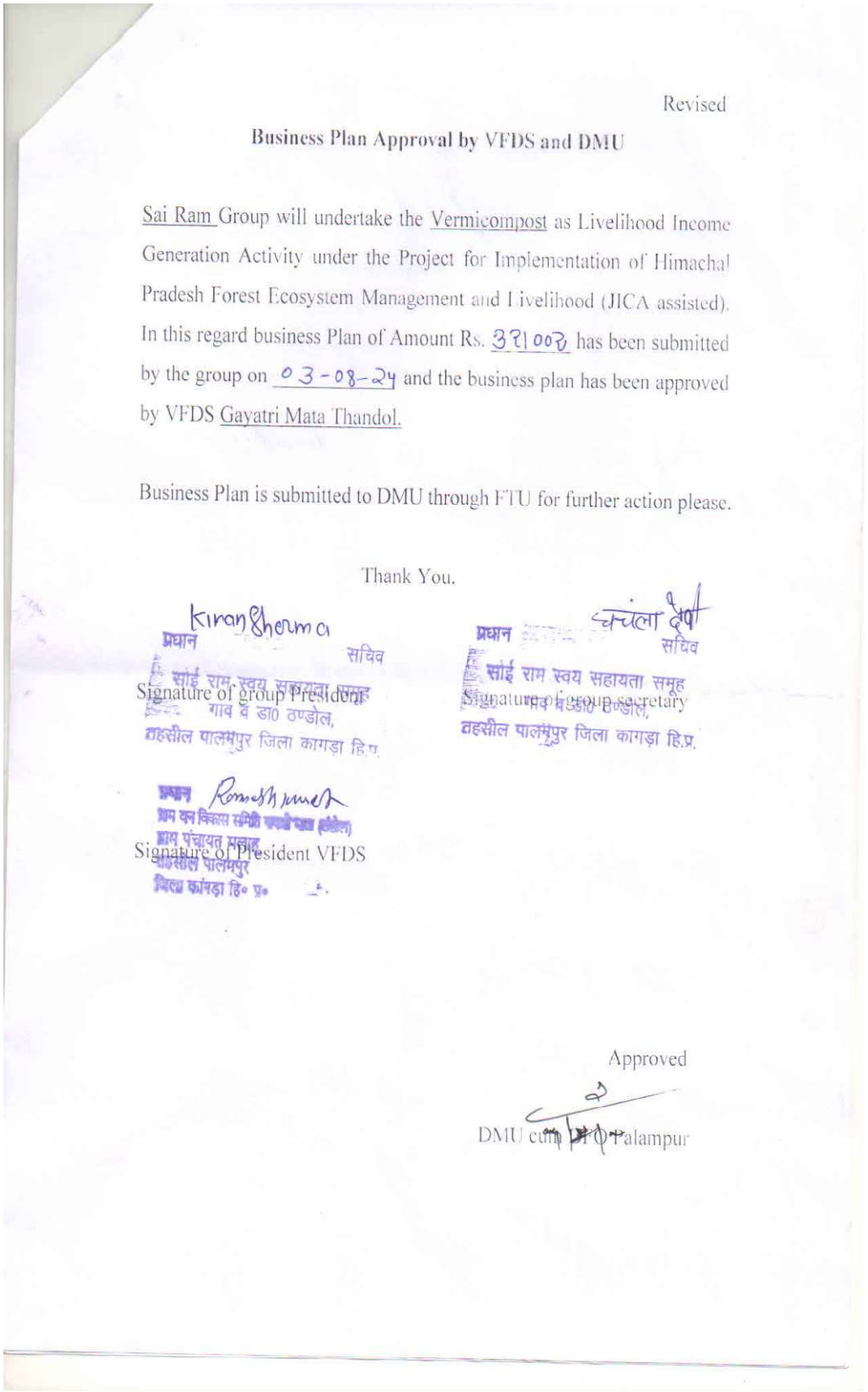

Revised

Business Plan Approval by VFDS and DMU

Sai Ram Group will undertake the Vermicompost as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management and Livelihood (JICA assisted). In this regard business Plan of Amount Rs. 37,007 has been submitted by the group on 03-08-24 and the business plan has been approved by VFDS Gayatri Mata Thandol.

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Kiran Sharma
प्रधान सचिव
साई राम स्वय सहायता समूह
गाव व डा0 ठण्डोल,
तहसील पालमपुर जिला कागड़ा हि.प्र.

Signature of group President

चंचला देवी
प्रधान सचिव
साई राम स्वय सहायता समूह
गाव व डा0 ठण्डोल,
तहसील पालमपुर जिला कागड़ा हि.प्र.

Signature of group secretary

Signature of President VFDS

Approved

DMU cum DFO Palampur